# वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा

## एम.ए. उत्तरार्द्ध परीक्षा

## एमएएचडी-08

## आधुनिक हिन्दी कविता और गीत परम्परा

अवधि 3 घंटे अधिकतम अंक 80

निर्देश : प्रश्न पत्र खण्ड अ, ब और स में विभाजित है। खण्ड 'अ' अतिलघूत्तरात्मक है, खण्ड 'ब' लघूत्तरात्मक एवं खण्ड 'स' में निबंधात्मक प्रश्न सम्मिलित हैं।

खण्ड ब

इस खण्ड में 8 प्रश्न सम्मिलित हैं। निम्नलिखित प्रश्नों में से कोई चार प्रश्न कीजिए। शब्द सीमा लगभग 100 से 150 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का है। 8 × 4 = 32

प्रश्न 1 निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए -

खूब ऊँचा एक जीना साँवला
उसकी अँधेरी सीढ़ियाँ
वे एक आभ्यान्तर निराले लोक की
एकचढ़ना औं उतरना,
पुनचढ़ना औ उतरना:,
मोच पैर में
व छाती पर अनेकों घाव
बुरेअच्छे बीच के संघर्ष-
से भी उग्रतर
अच्छे व उससे अधिक अच्छे बीच का संघर्ष
गहन किंचित सफलता।
अतिरेक वादी पूर्णता
की ये व्यथाएँ बहुत प्यारी हैं

प्रश्न 2 नयी कविता के विविध अन्दोलनों में एक 'अकविता' पर विचार कीजिए।

प्रश्न 3 निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए -

जी नहीं, दिल्लगी की इसमें क्या बात,
मैं लिखता ही तो रहता हूँ दिनरात-
तो तरहतरह के बन जाते हैं गीत-,
जी, रूठरूठ कर मन जाते हैं गीत।-
जी, बहुत ढेर लग गया हटाता हूँ
गाहक की मर्जी, अच्छा जाता हूँ,
या भीतर जाकर पूँछ आइए आप
है गीत बेचना बिलकुल पाप
क्याकरूँ मगर लाचार

हार कर गीत बेचता हूँ।
जी हाँ, हूजूर गीत बेचता हूँ।

प्रश्न 4 नयी कविता की विशेषताओं का सारसंक्षेप में उल्लेख कीजिए।-

प्रश्न 5 निम्नलिखित पद्यांश की संप्रसंग व्याख्या कीजिए -

तुम कफन चुरा कर बैठ गए जा महलों में
देखो गाँधी की अर्थी नंगी जाती है
इस रामराज के सुधर रेशमी दामन में
देखो सीता की लाज उतारी जाती है
उस ओर श्याम की राधा वह वृन्दावन में
आलिंगन चुंबन बेच पेट भर पाती है
हो सावधान सँभलो ओ ताजतख्त वालो-
भूखी धरती अब भूख मिटाने आती है।

प्रश्न 6 मुक्तिबोध के फैंटेसी शिल्प की प्रविधिगत विशेषताएँ बताइए।

प्रश्न 7 नीरज ने गीतकार व्यक्तित्व पर अपने मन्तव्य प्रस्तुत कीजिए।

प्रश्न 8 सोहन लाल द्विवेदी के गीतों के संदर्भ में राष्ट्रीय चेतना पर विचार कीजिए।

प्रश्न 9 निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए -

"राधन!
तुम्हारी शोख चंचल विचुमिबत पलकें तो
पगडणिडयाँ मात्र है :
जो मुझ तक पहुंचकर रीत जाती है।"
तुमने कितनी बार कहा है :
सुनो तुम्हारे अधर, तुम्हारी पलकें, तुम्हारी बाँहें,
तुम्हारे चरण, तुम्हारे अंगप्रत्यंग-, तुम्हारी सारी चम्पक वर्गीदेह,
मात्र पगडणिडयाँ हैं जो
चरम साक्षात्कार के क्षणों में रहती नहीं
रीतजाती है। रीत-"

प्रश्न 10 'ब्रह्माराक्षस' कविता की भुतैली बावड़ी के रूपक का उदघाटन कीजिए।

प्रश्न 11 निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए -

एक नीला आइनाबेठोससी यह चाँदनी-
और अन्दर चल रहा हूँ मैं उसी के महातल के मौन में

प्रश्न 12 शमशेर बहादुर सिंह के प्रेम एवं सौन्दर्य पर टिप्पणी कीजिए।

प्रश्न 13 निम्नलिखित पधांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

फिर बाढ़ आ गयी होगी उस नदी में
पास का फटहिया बाजार बह गया होगा
पेड़ों की शाखाओं में बँखें खटोले पर
बैठे होंगे बच्चे किसी काछी के
और नीचे कीचड़ में खडे होंगे चौपाये
पूँछ से मक्खियाँ उड़ाते।

प्रश्न 14 नरेश मेहता के कृतियों का परिचय दें।

प्रश्न 15 नयी कविता के विकास में गिरिजाकुमार माथुर के योगदान पर विहंगम दृषिट से विचार कीजिए।

प्रश्न 16 गीतकार नीरज को दृष्टिपथ में रखकर नवगीत के शिल्प पर विचार करें।

प्रश्न 17 निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए -

भूल गलती
आज बैठी है विरह बख्तर पहन कर
तख्त पर दिल के
चमकते हैं खडे हथियार उसके दूर तक
आँखें चिलती है नुकीले तेज पत्थर सी
सब कतारेंबैजुबां बेबस सलाम में
अनगिनत खम्भों व मेहराबोंथमे-
दरबार आग में

प्रश्न 18 मुक्तिबोध के रचनाकर्म का परिचय दें।

प्रश्न 19 निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए -

वस्तुओं से हीन होते जाने का
अर्थ है
व्यक्तित्व से सम्पन्न होते जाना
युद्ध, राज्य, साम्राज्य, सम्पदा, सम्बन्ध
इन सबकी सीमाएँ है पार्थ।

प्रश्न 20 शमशेर बहादुर सिंह के कवि कर्म का संक्षेप में वर्णन करें।

प्रश्न 21 निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए -

मन के विश्वास का यह सोन चक्र रूके नहीं
जीवन का पियरी केसर कभी चुके नहीं
मन में विश्वासभूमि में ज्यों अंगार रहे
अंगरई नजरों में ज्यों अलोप प्यार रहे
पानी में धरा गंधरूख में बयार रहे
इस विचार बीज कीफसल बारबार रहे।-

प्रश्न 22 'महाप्रस्थान' खण्डकाव्य पर परिचायात्मक लेख लिखिए।

प्रश्न 23 धर्मवीर भारती का कृतित्व परिचय दीजिए।

प्रश्न 24 अशोक वाजपेयी के व्यक्तित्व का परिचय दीजिए।

प्रश्न 25 निम्नलिखित पधांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए -

संभव है अर्जुन!
सह सत्ताधरी
यह राज्य व्यवस्था
एक दिन
प्रत्येक व्यक्ति के भीतर
विचार शून्यता का

अन्धा कारागार निमित कर दे।
प्रत्येक व्यक्ति
बन्द ताले की भाँति कर दिया जाए
जिसकी ताली
राजकोष में जमा कर दी गयी हो

प्रश्न 26 'ब्रह्माराक्षस' कविता में चित्रित वातावरण पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

प्रश्न 27 निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए -
सब चुप, साहित्यिक चुप और कविजन निर्वाक
चिन्तक, शिल्कार, नर्तक चुप है
उनके ख्याल से यह सब गप है
मात्र किंवदन्ती
रक्तपायी वर्ग से नाभिनाल बद्ध से सब लोग
नपुंसक भोग शिरा जालों में उलझे

प्रश्न 28 स्पष्ट कीजिए कि गिरिजाकुमार माथुर वैज्ञानिक कवि है।

प्रश्न 29 निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए -
मेरे और तुम्हारे सारे भोले निश्छल विश्वासों को
आज कुचलने कौन खड़ा है ?
ठण्डा लोहा।
फूलों से सपनों से आँसू और प्यार से
कौन बड़ा है ?
ठण्डा लोहा।

प्रश्न 30 'कनुप्रिया' का प्रतिपाद्य क्या है ?

प्रश्न 31 'नवगीत' आन्दोलन की मनोभूमि पर प्रकाश डालें।

प्रश्न 32 सोहन लाल द्विवेदी के गीतों की अन्तर्वस्तु क्या है ?

प्रश्न 33 निम्नलिखित पधांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए -
मृत्युपर्व रोको देखो कितने अरबजन
हैं खड़े बीच में बाँह खोल
आवाज उठ रही पृथ्वी से
ये बन्द करो उन्माद युद्ध का
मत डालो साया धरती पर अणुशस्त्रों का
लिप्सा और निरंकुशता की
मनुज विरोधी पद्धति छोड़े

प्रश्न 34 मुक्तिबोध के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालें।

प्रश्न 35 निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या करें।
जनजन का जीवन गीत बने-
उठते स्वर का यह गीत नया।
हर चरणों की है चाप नयी
हर मंजिल का संगीत नया।

जग की सीमाएं बदल रहीं
युग के हाथों में अगिन श्रृंग
नभ में रंगों की लहर चली
तप की दीवारें हुई भंग
इस नये ज्योति के घेरे में
तप का साया डूब गया

प्रश्न 36 सर्वेश्वर दयाल सक्सेना की काव्य संवेदना का वर्णन करें।

प्रश्न 37 निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या करें।

इस नदी का
इस शहर से कोई सम्बन्ध नहीं है
फिर भी नदी शहर की है
इसको कोई पियरी नहीं चढ़ाता
न आदमी रामनामी डाले
सुबह तडके भागते दिखाई देते हैं
न अधेड़ औरते ठाकुर जी का
सिंहासन लिए बतियाती जाती हैं

प्रश्न 38 'कनुप्रिया' की कथावस्तु क्या है ?

प्रश्न 39 गीतकार वीरेन्द्र मिश्र के कृतित्व का परिचय दीजिए।

प्रश्न 40 नयी कविता में भवानी प्रसाद मिर का योगदान निर्धारित कीजिए।

प्रश्न 41 निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए ?

मैं ब्रहाराक्षस का सजल उर शिष्य होना चाहता
जिससे कि उसका अधूरा कार्य
उसकी वेदना का स्त्रोत
संवात पूर्ण निष्कर्षो तलक पहुंचासकूँ।

प्रश्न 42 'संशय की एक रात' कविता की अन्तर्वस्तु की विवेचना कीजिए।

प्रश्न 43 निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए-

प्यार बड़ा निष्ठुर था मेरा।
कोटि दीप जलते थे मन में
कितने मरू तपते यौवन में
रस बरसाने वाले आकर
विष ही छोड़ गये जीवन मे।

प्रश्न 44 हिन्दी काव्य में वैज्ञानिक चेतना सूत्रपात करने का श्रेय गिरिजा कुमार माथुर को है। इस आधार पर कल्पान्तर के विषय वस्तु का सार लिखिए।

प्रश्न 45 निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

धीरे-धीरे यात्रा एक क्रान्ति
शांतियात्रा में बदल रही है-
सड़ाध फैल रही है-
नक्शे पर देश के और आखों में प्यार के

सीमान्त धुधले पड़ते जा रहे है
और हम चूहों से देख रहे है।

प्रश्न 46 शमशेर बहादुर सिंह के कृतित्व का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

प्रश्न 47 'कनुप्रिया का प्रतिपद्य लिखिए।

प्रश्न 48 सोहनलाल द्विवेदी के गीतों के मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 49 निम्नांकित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

मैं ब्रह्माराक्षस का सजल उर शिष्य
होना चाहता
जिससे कि उसका अधूरा कार्य
उसकी वेदना का स्रोत
संगतपूर्ण निष्कर्षों तलक
पहुँचा सकूँ।

प्रश्न 50 गिरिजाकुमार माथुर के कृतित्व का आंकलन कीजिए।

प्रश्न 51 निम्नांकित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए?

वस्तुओं से हीन होते जाने का
अर्थ है
व्यक्तित्व से सम्पन्न होते जाना।
युद्ध, राज्य, साम्राज्य, सम्पदा, सम्बन्ध
इन सबकी सीमाएँ हैं, पार्थ!
ये ही
वे कुचक्र हैं
जिन्हें व्यक्ति
अपने चारों ओर बुन लेता है
और फिर कभी
इस सफलता की सुगन्ध के परिवृत्त से
बाहर आना नहीं चाहता।
ये वस्तुएँ
ये सफलताएँ
एक दिन उसका पर्याय बन जाती हैं।
वस्तुओं और सफलताओं के माध्यम से
अमरता प्राप्त करने को ही तो
तुम पुरूषार्थ और संकल्प कहते हो?

प्रश्न 52 कनुप्रिया की कथानक समीक्षा कीजिए।

प्रश्न 53 निम्नांकित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

आज जीत की रात पहरूए,
सावधान रहना।
खुले देश के द्वार,
अचल दीपक समान रहना।

ऊँची हुई मशाल हमारी
आगे कठिन डगर है
शत्रु हट गया है लेकिन उसकी
छायाओं का डर है
शोषण से मृत है समाज
कमजोर हमारा घर है
किन्तु आ रही नयी जिन्दगी
यह विश्वास अमर है।

प्रश्न 54 निम्नांकित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए?
नाखून दिन पर दिन बढ़ते जा रहे हैं
और जमीन उसी अनुपात से बंजर होती जा रही है
और नदी हर दिल में उसी रफ्तार से शांत
हर विवशता का उपहाससा करती।-
अभी एक डांगर बहता हुआ निकल गया
अभी एक आदमी बहता हुआ चला जायेगा
जिसकी तलाश पर कौए बैठे होंगे
जिन्हें मैं अक्सर दिल्ली की इन सड़कों पर
उड़ता हुआ देखता हूँ।

प्रश्न 55 अशोक वाजपेयी के बहुमुखी साहित्यिक योगदान का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 56 नवगीत के नामकरण एवं विकास पर चर्चा कीजिए।

प्रश्न 57 निम्नांकित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :
हाँ तुम मुझसे प्रेम करो जैसे मछलियाँ
लहरों से करती हैं
जिनमें वह फँसने नहीं आती
जैसे हवाएँ मेरे सीने से करती हैं
जिनको वह गहराई तक दबा नहीं पाती
तुम मुझसे प्रेम करो जैसे मैं तुमसे करता हूँ।

प्रश्न 58 'भूलगलती कविता के कथानक का विवेचन कीजिए।-

प्रश्न 59 निम्नांकित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :
समाज अमूर्त होता है
व्यक्ति नहीं,
और व्यक्ति के फूलत्व को कुचल दोगे
तो वन
गन्धमादन कैसे बन पायेगा पार्थ?
फूल का एकाकीपन
अरण्य की सामूहिकता की शोभा है
विरोधी नहीं।

प्रश्न 60 कुआनो नदी के आँचलिक जीवन पर अपने मन्तव्य प्रकट कीजिए।

प्रश्न 61 निम्नांकित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

मृत्युपर्व रोकोदेखो कितने अरबों जन
हैं खड़े बीच में बाँह खोल
आवाज उठ रही पृथ्वी से
ये बंद करो उन्माद युद्ध का
मत डालो साया धरती पर अणुशस्त्रों का
लिप्सा और निरंकुशता की
मनुज विरोधी पद्धति छोड़ो।

प्रश्न 62 निम्नांकित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

अगर अपनी माँग पर
आम के बौर की लिपि में लिखी भाषा
का ठीकठीक अर्थ नहीं समझ पायी-
तो इसमें मेरा क्या दोष मेरे लीला!बन्धु-
आज इस निभृत एकान्त में
तुम से दूर पड़ी हूँ
और तुम क्या जानो कैसे मेरे सारे जिस्म में
आम के बौर टीस रहे हैं
और उनकी अजीब सी तुर्श महक
तुम्हारा अजीब सा प्यार है
जो सम्पूर्णत बाँधकर भी :
सम्पूर्णत! मुक्त छोड़ देता हूँ :

प्रश्न 63 धर्मवीर भारती के कृतित्व का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 64 नवगीतकार के रूप में सोहनलाल द्विवेदी के योगदान को रेखांकित कीजिए।

प्रश्न 65 निम्नांकित पधांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए?

भूलगलती-
आज बैठी है जिरहबख्तर पहन कर
तख्त पर दिल के
चमकते हैं खड़े हथियार उसके दूर तक,
आँखे चिलती हैं नुकीले तेज पत्थरसी-,
खड़ी हैं सिर झुकाये
सब कतारेंबेजुबाँ बेबस सलाम में
अनगिनत खम्भों व मेहराबो ंथमे-
दरबारेआम में।-

प्रश्न 66 'ब्रह्माराक्षस कविता के फैंटेसी का उदघाटन कीजिए।

प्रश्न 67 निम्नांकित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

न होती वैजयन्ती
होती तुलसी ही
पर

क्यों हुई पृथक
मैं कृष्णा अपने भाव कृष्ण से ?

प्रश्न 68 नीरज के गीतों का शिल्पगत सौन्दर्य उद्घाटित करें।

प्रश्न 69 निम्नांकित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए?

इस नदी का
इस शहर से कोई सम्बन्ध नहीं है।
फिर भी नदी शहर की है।
इसको कोई पियरी नहीं चढ़ाता
न आदमी रामनामी डाले
सुबह तड़के भागते दिखाई देते हैं,
न अधेड़ औरतें ठाकुर जी का
सिंहासन लिए बतियाती जाती हैं।
दूधवाले पानी मिलाने
या प्राइमरी स्कूल के शिक्षक निवृत्त होने
अवश्य यहाँ रूकते हैं
और बंदर शाखों से उतर कर
इसके किनारे बैठे रहते हैं।

प्रश्न 70 निम्नांकित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

मैंने देखा कि अगणित विक्षुब्ध विक्रान्त लहरें
फेन का शिरस्त्राण पहने
सिवार का कवच धारण किए
निर्जीव मछलियों के धनुष लिये
युद्धमुद्रा में आतुर हैं
-और तुम कभी मध्यस्थ हो
कभी तटस्थ
कभी युद्धरत
और मैंने देखा कि अन्त में तुम
थककर
इन सबसे खिन्न, उदासीन, विस्मित और
कुछकुछ आहत-
मेरे कन्धे से टिक कर बैठ गये हो

प्रश्न 71 'कल्पान्तर खण्डकाव्य के वैज्ञानिकता पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 72 शमशेर बहादुर सिंह के कृतित्व का संक्षेप में परिचय दीजिए।

## उत्तर तालिका खण्ड ब

1 ब्रह्माराक्षस, मुक्तिबोध

2 गीतफरोश, भवानीप्रसाद मिश्र

3 लोकप्रिय कवि, नीरज

17 भूल गलती - मुक्तिबोध
19 महाप्रस्थान नरेश मेहता -
21 शिलापंख चमकीले गिरिजाकुमार माथुर -
25 'महाप्रस्थान' से, कवि नरेश मेहता
27 'भूल गलती' कवि मुक्तिबोध
29 'ठण्डा लोहा' धर्मवीर भारती
33 कल्पान्तर गिरिजाकुमार माथुर -
35 नाश और निर्माण गिरिजा कुमार माथुर -
37 कुआनों नदी सर्वेश्वर दयाल सक्सेना -
41 ब्रहम राक्षस गजानन माधव मुकितबोध :
43 मंजीर गिरिजा कुमार माथुर :
45 गर्म हवाए सर्वेश्वर दयाल सक्सेना :
49 'ब्रह्माराक्षस मुक्तिबोध
51 'महाप्रस्थान नरेश मेहता
53 'पन्द्रह अगस्त गिरिजा कुमार माथुर
54 कुआनो नदी सर्वेश्वरदयाल सक्सेना
57 टूटी हुई बिखरी हुई शमशेर बहादुर सिंह
59 महाप्रस्थान नरेश मेहता
61 कल्पान्तर गिरिजा कुमार माथुर
62 कनुप्रिया धर्मवीर भारती
65 'भूलगलती- मुक्तिबोध
67 'कनुप्रिया धर्मवीर भारती
69 'कुआनो नदी सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
70 'कनुप्रिया धर्मवीर भारती